नासिरा शर्मा का कथा साहित्य

संवेदना और शिल्प

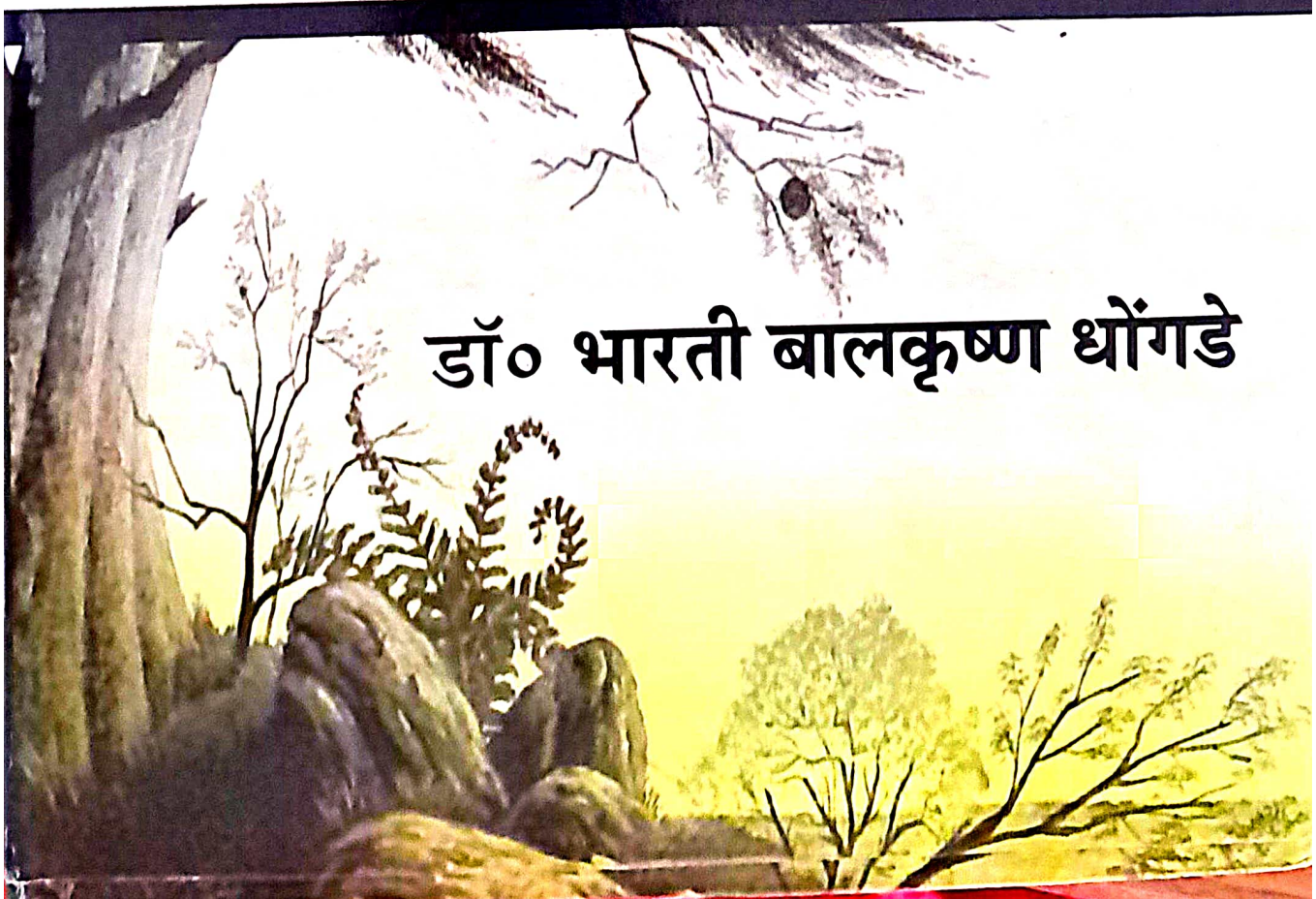

डॉ० भारती बालकृष्ण धोंगडे

ISBN : 978-93-85804-26-7

पुस्तक	:	नासिरा शर्मा का कथा साहित्य : संवेदना और शिल्प
लेखक	:	डॉ० भारती बालकृष्ण धोंगडे
प्रकाशक	:	**चिन्तन प्रकाशन**
		3ए/119, आवास विकास, हंसपुरम्, कानपुर - 208 021
		chintanprakashan@gmail.com
		0512-2626 265, +91 9450 151 379
		www.chintanprakashan.com
संस्करण	:	प्रथम, 2018
©	:	लेखकाधीन
मूल्य	:	₹ 400.00
शब्द-सज्जा	:	रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक	:	पूजा प्रिन्टर्स, कानपुर

Nasira Sharma Ka Katha Sahitya : Samvedana Aur Shilp

By : *Dr. B.B. Ghongade*

Price : *Rs. Four hundred Only.*

ISBN : 978-93-85804-26-7

पुस्तक	:	नासिरा शर्मा का कथा साहित्य : संवेदना और शिल्प
लेखक	:	डॉ० भारती बालकृष्ण धोंगडे
प्रकाशक	:	**चिन्तन प्रकाशन**
		3ए/119, आवास विकास, हंसपुरम्, कानपुर - 208 021
		chintanprakashan@gmail.com
		0512-2626 265, +91 9450 151 379
		www.chintanprakashan.com
संस्करण	:	प्रथम, 2018
©	:	लेखकाधीन
मूल्य	:	₹ 400.00
शब्द-सज्जा	:	रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक	:	पूजा प्रिन्टर्स, कानपुर

Nasira Sharma Ka Katha Sahitya : Samvedana Aur Shilp

By : *Dr. B.B. Ghongade*

Price : *Rs. Four hundred Only.*

अनुक्रम

1.	नासिरा शर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	13
2.	संवेदना का स्वरूप और शिल्प	24
3.	नासिरा शर्मा की कहानियों में व्यक्त संवेदनाएँ	54
4.	नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में संवेदना के विविध आयाम	94
5.	नासिरा शर्मा की कथा साहित्य का अभिव्यंजना कौशल	113
6.	नासिरा शर्मा की कहानियों में संवेदनाओं का मूल्यांकन	127
	उपसंहार	144
	परिशिष्ट	148

1

नासिरा शर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

किसी साहित्यकार के साहित्य का अनुशीलन करने से पहले उसके व्यक्तिगत जीवन, स्वभाव एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालना अत्यन्त आवश्यक है, क्योंकि ये व्यक्तिगत विशेषताएँ उसकी कृतियों को समझने में विशेष सहायक होती हैं। कृतिकार साहित्य निर्माण में आवश्यक सामग्री जगत् और जीवन से ग्रहण करता है, पर अपनी कृतियों पर अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप डाले बिना नहीं रह सकता।

साठोत्तर काल में कथाकारों की रचना दृष्टि पूर्णतः नवीन है। कथ्य के प्रति दृष्टिकोण बदल कर मानव सम्बन्धों की सार्थक व्याख्या करने वाली अनेक महिला साहित्यकारों में नासिरा शर्मा का स्थान महत्वपूर्ण है। नासिरा जी का साहित्य पाठक को प्रेरित करने की क्षमता रखता है। वे गहन अध्ययन की धनी समाज के प्रति अपनी प्रतिवद्धता का ध्यान रखते हुए उन्होंने लेखन कार्य किया है। नासिरा शर्मा के कथा साहित्य का अध्ययन करने पर उनकी मार्मिकता, गहन एवं सूक्ष्म दृष्टि का ज्ञान होता है, साथ ही समाज का सर्वांगीण चित्रण करने वाली इस महिला लेखिका का व्यक्तित्व जानने की लालसा शोधकार्य के लिए अनिवार्य भी है। वस्तुतः उन्होंने उत्तरशती के हिन्दी कथा साहित्य में अनेक नवीन साहित्यिक अवधारणाओं की स्थापना में अमूल्य योगदान दिया है। कृष्णा सोवती, मृदुला गर्ग, सूर्यवाला, माणिक मोहनी, मंजुल भगत, शुभा वर्मा, रजी सेठ, निरुपमा सेवती, चित्रा मुदगल, दीप्ति खंडेलवाल, प्रभा खेतान, नासिरा शर्मा जैसे महिला साहित्यकारों ने एक नयेपन से एक नया जीवनवोध लिया है। जिसके कारण परिवेश, घटना एवं विधा आदि सव कुछ नये सिरे से कलात्मक स्तर उठाये जाकर एकान्वित का प्रभाव छोड़ते हैं। नासिरा शर्मा का व्यक्तित्व उदात्त है। व्यक्तित्व अंग्रेजी शव्द पर्सनालिटी का पर्याय है। व्यक्तित्व को व्यक्त करते हुए कोशकार का मन्तव्य है कि "व्यक्ति के गुण या भाव वे विशेष गुण होते हैं जिनके द्वारा किसी व्यक्ति की और स्वतंत्रता, सत्ता सुचित होती है।"[1]

आ. क्षेमचन्द्र के अनुसार "व्यक्तित्व वह होता है जिसमें गुणों का समुच्चय हो जो एक व्यक्ति का अन्य व्यक्तियों से अलग कर दिखाता है।"[2]

डॉ० भारती बालकृष्ण धोंगडे

जन्म- 6 अक्टुबर सन् 1973, ओझर (मिग) नासिक

शिक्षा- एम०ए०, बी०एड०, एम०फिल०, सेट, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे (महा०), पी-एच०डी०, श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू (राज०)।

सम्प्रति- सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, मराठा विद्या प्रसारक समाज, नासिक, महाराष्ट्र।

प्रकाशन- विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अनेक शोध लेख प्रकाशित।

निवास- खुटे बस्ती, पिंपलगाँव नजिक (लासलगाँव), नासिक, महाराष्ट्र।

चलभाषा- 9028 331 687, 9881 434 927

Email- dhongadebharati77@gmail.com

चिन्तन प्रकाशन

हंसपुरम्, कानपुर-208 021

0512 2626 265, 94501 51379

chintanprakashan@gmail.com

www.chintanprakashan.com

/ChintanPrakashan

₹ 400.00

ISBN: 978-93-85804-26-7

9 789385 804267 >